

समाचार वाणी

खबर जो करें असर !

नाशिक | Tuesday, 20 October 2026

शिल्पा पाटिल : संघर्ष से सफलता तक, महज ₹75,000 से खड़ी की इंजीनियरिंग टेस्टिंग लैब

Sanket Morankar

Published on 19 Oct 2026



संघर्ष से आत्मनिर्भरता तक का सफर

आर्थिक चुनौतियों और पारिवारिक जिम्मेदारियों के बीच अपनी पहचान बनाने वाली शिल्पा पाटिल की कहानी मेहनत, आत्मनिर्भरता और दृढ़ संकल्प का उदाहरण है। अपनी दो बेटियों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए उन्होंने वर्ष 2012 में महज ₹75,000 की शुरुआती पूंजी से **Landmark Consulting Labs (OPC) Pvt. Ltd.** की स्थापना की। एक कर्मचारी के साथ शुरू हुई यह पहल आज निर्माण सामग्री की जांच और इंजीनियरिंग टेस्टिंग के क्षेत्र में काम करने वाली संस्था के रूप में विकसित हुई है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, आज उनकी टीम में लगभग 60 लोग कार्यरत हैं।

शिल्पा का सफर केवल एक व्यवसाय स्थापित करने की कहानी नहीं है, बल्कि तकनीकी ज्ञान को उद्यमिता में बदलने और सीमित संसाधनों के बीच अवसर तलाशने की मिसाल भी है। उन्होंने अपने अनुभव और मेहनत के बल पर एक ऐसे क्षेत्र में कदम रखा, जहां सटीकता, गुणवत्ता और तकनीकी विश्वसनीयता का विशेष महत्व है।

इंजीनियरिंग की पढ़ाई से मिली तकनीकी आधारशिला

शिल्पा पाटिल ने वर्ष 2001 में कंप्यूटर इंजीनियरिंग में बीई की डिग्री प्राप्त की। इसके बाद उन्होंने सिविल इंजीनियरिंग में एसोसिएट डिग्री भी हासिल की। शिक्षा पूरी करने के बाद उन्होंने व्याख्याता के रूप में और विभिन्न तकनीकी संस्थानों में काम किया। वर्ष 2007 में वे एक टेस्टिंग लैब में क्वालिटी इंजीनियर के रूप में जुड़ीं।

इस अनुभव के दौरान उन्हें निर्माण सामग्री की गुणवत्ता जांच, इंजीनियरिंग परीक्षाओं और तकनीकी मानकों के महत्व को करीब से समझने का अवसर मिला। निर्माण क्षेत्र में किसी इमारत, पुल, सड़क या अन्य संरचना की मजबूती केवल उसकी बाहरी बनावट से तय नहीं होती। इस्तेमाल की गई सामग्री की गुणवत्ता और निर्धारित मानकों के अनुरूप परीक्षण भी महत्वपूर्ण होते हैं।

इसी क्षेत्र में काम करते हुए शिल्पा ने अपने अनुभव को आगे चलकर उद्यमिता का आधार बनाया। तकनीकी ज्ञान और व्यावहारिक अनुभव ने उन्हें अपने व्यवसाय की दिशा तय करने में मदद की।

₹75,000 से शुरू हुआ व्यवसाय

दो बेटियों की परवरिश और परिवार के लिए आर्थिक स्थिरता की जरूरत ने शिल्पा को अपना व्यवसाय शुरू करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने वर्ष 2012 में सीमित पूंजी के साथ अपनी टेस्टिंग लैब की शुरुआत की। शुरुआती दौर में किराये की जगह पर लगभग 10 प्रकार के परीक्षण किए जाते थे।

व्यवसाय के शुरुआती चरण में उन्हें कई जिम्मेदारियां स्वयं संभालनी पड़ीं। परीक्षणों से जुड़े काम के अलावा ग्राहक ढूंढना, व्यवसाय का हिसाब-किताब रखना और रोजमर्रा के संचालन को व्यवस्थित करना भी उनकी भूमिका का हिस्सा था।

किसी भी नए उद्यम के लिए शुरुआती दौर चुनौतीपूर्ण हो सकता है, खासकर तब जब संसाधन सीमित हों और कारोबार को बाजार में अपनी विश्वसनीयता स्थापित करनी हो। शिल्पा ने निरंतर मेहनत और अपने काम पर ध्यान केंद्रित करते हुए धीरे-धीरे व्यवसाय का विस्तार किया।

उनकी यात्रा यह दर्शाती है कि उद्यमिता में शुरुआती पूंजी महत्वपूर्ण होती है, लेकिन उसके साथ सही तकनीकी समझ, ग्राहकों का भरोसा, गुणवत्ता और लगातार काम करने की क्षमता भी जरूरी है।

वसई से गोरेगांव और पालघर तक विस्तार

शुरुआत में सीमित परीक्षणों तक केंद्रित रही Landmark Consulting Labs की सेवाओं का दायरा समय के साथ बढ़ा। उपलब्ध विवरण के अनुसार, आज संस्था की तीन मंजिला प्रयोगशाला वसई में है और गोरेगांव तथा पालघर में भी इसकी शाखाएं हैं।

संस्था में निर्माण सामग्री से जुड़े 900 से अधिक परीक्षण मानदंडों तक सेवाओं के विस्तार की जानकारी दी गई है। इसके अलावा, 1,500 से अधिक ग्राहकों को सेवाएं देने और वार्षिक कारोबार ₹3 करोड़ से अधिक होने का दावा किया गया है।

संस्था के बारे में यह भी बताया गया है कि इसकी प्रयोगशाला को NABL मान्यता प्राप्त है और इसके पास ISO प्रमाणन है। ऐसे प्रमाणन और मान्यताएं परीक्षण सेवाओं में गुणवत्ता प्रबंधन तथा तकनीकी प्रक्रियाओं के महत्व को दर्शाती हैं। हालांकि, इनकी सटीक स्थिति और दायरे की पुष्टि संबंधित आधिकारिक रिकॉर्ड से की जानी चाहिए।

निर्माण सामग्री की गुणवत्ता जांच में योगदान

Landmark Consulting Labs की सेवाओं में कंक्रीट, सीमेंट, स्टील, मिट्टी, ईंटों और निर्माण रसायनों की जांच शामिल बताई गई है। इसके साथ ही संस्था विभिन्न निर्माण परियोजनाओं के स्थलों पर जाकर भी परीक्षण करती है।

निर्माण सामग्री का परीक्षण परियोजनाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करने की प्रक्रिया का महत्वपूर्ण हिस्सा है। कंक्रीट और स्टील जैसे पदार्थों के गुणों की जांच, मिट्टी की स्थिति का आकलन और निर्धारित तकनीकी मानकों के अनुरूप परीक्षण इंजीनियरों तथा परियोजना प्रबंधन टीमों को आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराने में मदद करते हैं।

उपलब्ध जानकारी के अनुसार, संस्था का काम मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन, वाढवण बंदरगाह, मुंबई मेट्रो और मुंबई-वडोदरा एक्सप्रेसवे जैसी बड़ी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं से जुड़ा रहा है। इन परियोजनाओं के साथ किसी संस्था का संबंध उसके कार्यक्षेत्र को समझने के लिए महत्वपूर्ण हो सकता है; हालांकि, प्रत्येक परियोजना में संस्था की वास्तविक भूमिका और किए गए परीक्षणों की पुष्टि आधिकारिक दस्तावेजों से करना उचित होगा।

रोजगार और प्रशिक्षण के अवसर

शिल्पा पाटिल की व्यावसायिक यात्रा का एक अन्य महत्वपूर्ण पहलू रोजगार और कौशल विकास से जुड़ा है। उपलब्ध विवरण के अनुसार, उनकी संस्था में महिलाओं, नए इंजीनियरों और ग्रामीण पृष्ठभूमि से आने वाले युवाओं को रोजगार तथा प्रशिक्षण के अवसर दिए जाते हैं।

तकनीकी क्षेत्रों में शुरुआती अनुभव और व्यावहारिक प्रशिक्षण युवाओं को अपनी क्षमताएं विकसित करने में मदद कर सकते हैं। विशेष रूप से इंजीनियरिंग टेस्टिंग जैसे क्षेत्र में मानकों की समझ, उपकरणों का सही इस्तेमाल, परीक्षण प्रक्रियाओं का पालन और रिपोर्ट तैयार करने का कौशल महत्वपूर्ण होता है।

महिला नेतृत्व वाली संस्था के रूप में Landmark Consulting Labs की यात्रा यह भी दिखाती है कि तकनीकी ज्ञान और उद्यमशीलता के संयोजन से रोजगार के अवसर तैयार किए जा सकते हैं।

‘राजमाता जिजाऊ राज्यस्तरीय महिला उद्योजक पुरस्कार 2026’ से सम्मान

शिल्पा पाटिल को वर्ष 2026 में ‘राजमाता जिजाऊ राज्यस्तरीय महिला उद्योजक पुरस्कार’ प्रदान किए जाने की जानकारी दी गई है। यह सम्मान उनके उद्यमशील सफर और महिला नेतृत्व से जुड़ी उपलब्धियों के संदर्भ में उल्लेखनीय है। पुरस्कार के आधिकारिक नाम, आयोजक और चयन संबंधी विवरणों की पुष्टि प्रकाशन से पहले की जानी चाहिए।

महिला उद्यमिता की प्रेरक मिसाल

महज ₹75,000 की पूंजी से शुरू होकर लगभग 60 लोगों की टीम तक पहुंचने का शिल्पा पाटिल का सफर सीमित संसाधनों के बीच अवसर तलाशने की कहानी है। उन्होंने तकनीकी क्षेत्र में अपने अनुभव को व्यवसाय में बदला और निर्माण सामग्री परीक्षण जैसी विशेषज्ञता-आधारित सेवा में अपनी संस्था को विकसित करने की दिशा में काम किया।

उनका लक्ष्य देश की अग्रणी महिला-नेतृत्व वाली टेस्टिंग प्रयोगशालाओं में अपनी संस्था को स्थापित करना है। इस दिशा में तकनीकी गुणवत्ता, विश्वसनीयता और ग्राहकों के साथ मजबूत संबंध महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

शिल्पा पाटिल की यात्रा उन महिलाओं और युवाओं के लिए प्रेरणा बन सकती है, जो अपनी शिक्षा, कौशल और अनुभव के आधार पर व्यवसाय शुरू करना चाहते हैं। उनकी कहानी का संदेश स्पष्ट है: चुनौतियां रास्ते को कठिन बना सकती हैं, लेकिन निरंतर प्रयास, व्यावहारिक ज्ञान और अपने लक्ष्य के प्रति प्रतिबद्धता नई संभावनाओं के द्वार खोल सकती है।

संपर्क विवरण

संस्था : Landmark Consulting Labs (OPC) Pvt. Ltd.

संपर्क नंबर : 8983671762

ईमेल : shilpapatil13@yahoo.com

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Sanket Morankar, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsoever.